JYOTI

स्मार्टकेम टेक्नोलॉजीज् लिमिटेड, पुणे

समृद्ध कृषि के लिए मृदा परीक्षण

मिट्टी परीक्षण क्यों?

मृदा परीक्षण मूल रूप से मिट्टी के स्वास्थ्य के रासायनिक और भौतिक गुणधर्मो का पता लगाने और फिर फसल के अच्छे विकास, उपज और गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए, उचित पोषण प्रबंधन का निर्णय लेने के लिए है। विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर, यहां तक कि निर्णय लेने के लिए जैविक स्वास्थ्य गुणधर्मो का भी परीक्षण किया जाता है।

क्या मिट्टी परीक्षण करवाना जरूरी है? यदि हाँ, तो क्यों?

कुशल और लाभदायक कृषि के लिए, नियमित अंतराल पर मृदा परीक्षण करना एक परम आवश्यकता है। इससे मृदा स्वास्थ्य की स्थिति को समझने में मदद मिलेगी।

यह समझा जाना चाहिए, बढ़ती कृषि फसलें प्राकृतिक चयन से नहीं, बल्कि परिचय से होती हैं। यह हमारे कृषि संबंधी प्रबंधन के साथ–साथ मिट्टी के स्वास्थ्य सम्बन्धी मापदंडों में बदलाव का परिणाम है। इसलिए, ज्यादातर स्थितियों में, यह फसल के लिए इष्टतम स्थिति में बने की स्थितियां प्रदान नहीं करेगा। मृदा परीक्षण इसे समझने में मदद करेगा।

मृदा परीक्षण, मनुष्य में नियमित स्वास्थ्य जांच कराने जैसा है।

मृदा परीक्षण के क्या लाभ हैं?

मृदा स्वास्थ्य और फसल के आधार पर कुशल फसल पोषक तत्व प्रबंधन को बनाए रखने के लिए उपयुक्त कृषि कार्यक्रम विकसित करने में, मृदा परीक्षण एक गाइड का कार्य करता है। यह समस्याग्रस्त मिट्टी के प्रबंधन में भी मदद करता है ताकि इसे और अधिक उपजाऊ और उत्पादक बनाने सहायता मिले ।

मृदा परीक्षण की आवृत्ति/बारंबारता क्या होनी चाहिए?

मृदा परीक्षण कम से कम तीन साल में एक बार किया जाना चाहिए। यदि फसलों को पूरे वर्ष के लिए लिया जा रहा है तो प्रत्येक फसल के मौसम से पहले मिट्टी परीक्षण करने की सिफारिश की जाती है।

क्या मृदा परीक्षण उर्वरक की सिफारिशों में मदद करता है?

हाँ बिलकुल। वास्तव में, फसल को खाद का उपयोग मृदा परीक्षण के तथ्यों के आधारित होना चाहिए ताकि उगाई जाने वाली फसल की आवश्यकता को पूरा किया जा सके। यह न केवल पोषक तत्वों की संतुलित जैवउपलब्धता बनाने में मदद करता है, बल्कि संभावित अनावश्यक उपयोग से भी बचाता है। मिट्टी का नमूना लेने की उचित विधि, सटीक विश्लेषण और इसी आधार पर उचित मार्गदर्शन ही इस गाइड की कुंजी है

मिट्टी के नमूने का विश्लेषण करने के लिए क्या मापदंड हैं?

आवश्यकता के आधार पर मिट्टी का विश्लेषण निम्नलिखित मापदंडों के लिए किया जा सकता है:

- पीएच, ईसी, ऑर्गेनिक कार्बन, कैल्शियम कार्बोनेट
- प्रमुख, गौण और सूक्ष्म पोषक तत्व
- भौतिक मापदंडों जैसे कि बनावट वर्ग, स्थूल घनत्व, कण घनत्व, पानी रोकने की क्षमता, लवणता / क्षारीयता आदि मापदंड।

परीक्षण के लिए मापदंडों और उसके बाद की सिफारिश को तय करने के लिए कृषिविदों की सलाह ली जानी चाहिए।

हमारे ग्राहकों की सहायता के रूप में, हमें मिट्टी परीक्षण के लिए अपने सभी किसानों को प्रोत्साहित करना चाहिए।